ओपीएफ-ई-पत्रिका
आयुध पैराशूट निर्माणी, कानपुर
Ordnance Parachute Factory, Kanpur

ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड की इकाई/ A UNIT OF GLIDERS INDIA LTD
नेपियर रोड/NAPIER ROAD, कैण्ट/कानपुर/KANPUR - 208004

भारत सरकार का उपक्रम/GOVT. OF INDIA ENTERPRISES, रक्षा मंत्रालय/MINISTRY OF DEFENCE

अंक - 06 | 01 | मार्च-अप्रैल 2024

महाप्रबंधक महोदय का संदेश

एम.सी.बालासुब्रमणियम,
महाप्रबंधक/ओपीएफ

अत्यंत ही हर्ष एवं गौरव का विषय है टीम ओपीएफ द्वारा अपनी निरंतरता बनाए रखते हुए डिजिटल मासिक ओपीएफ-ई-पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। हिन्दी भाषा प्रेमी हिन्दी के महत्व और वैज्ञानिकता पर अपने-अपने तर्क देते रहते हैं, लेकिन किसी भी भाषा का महत्व तभी हैं, जब वह अधिक से अधिक प्रयोग में लाई जाए एवं वर्तमान युग की आवश्यकताओं को पूरा कर सके। आज के सूचना प्रौद्योगिकी के युग में साहित्य का महत्व तो है ही, साथ में यह भी आवश्यक है वह साहित्य तकनीकी रूप से सहज कैसे उपलब्ध है। इन्हीं सहज उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए इस पत्रिका को निर्माणी के कॉमनेट के राजभाषा पोर्टल पर उपलब्ध कराई जाती है। निर्माणी का कोई भी कार्मिक निर्माणी कॉमोनेट से उसे सहज एक्सेस कर सकता है। ओपीएफ-ई-पत्रिका के डिजिटल स्वरुप को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। पत्रिका प्रकाशन में सहयोग देने वाले सभी लोग बधाई के पात्र है।

ओपीए-ई-पत्रिका का यह अंक वित्त वर्ष 2023-24 की उत्पादन एवं अन्य उपलब्धियों, निर्माणी में मार्च एवं अप्रैल माह में हुए विविध कार्यक्रमों जैसे संरक्षा सप्ताह के अवसर पर आयोजित विविध कार्यक्रम, अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित विविध कार्यक्रम इत्यादि, विशिष्ट व्यक्ति के आगमन से संबंधित विवरण एवं विविध लेखों से परिपूर्ण है। राजभाषा अनुभाग द्वारा विशिष्ट लेख राजभाषा चिंतन - आजादी के पूर्व हिन्दी के प्रचार प्रसार में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की भूमिका इसे और भी उत्कृष्टता प्रदान करती है। डिजिटल ओफीएफ-ई पत्रिका के प्रकाशनार्थ संपादक मंडल से जुड़े सभी सदस्यों, पाठकों एवं रचनाकारों की मेरी ओर से शुभकामनाएं।

वित्त वर्ष 2023-24 की उपलब्धियाँ

विशिष्ट उपलब्धियाँ
1. ओपीएफ ने निर्यात ऑर्डरों में अब तक का सर्वाधिक मूल्य प्राप्त किया, जो. 17.81 करोड़ है।
2. ओपीएफ ने आईएएफ ऑर्डरों में अब तक का सर्वाधिक मूल्य प्राप्त किया, जो कि 63.45 करोड़ की है।
3. ओपीएफ ने नेवी के ऑर्डरों में अब तक का सर्वाधिक मूल्य प्राप्त किया, जो कि 10.35 करोड़ की है।
4. ओपीएफ ने अब तक की सबसे अधिक मात्रा में पायलट पैराशूट की आपूर्ति की है, जो 196 से अधिक की है। इसके अतिरिक्त सर्वाधिक 138 की संख्या में पॉयलट पैराशूट के लिए कैनोपी की आपूर्ति की है।
5. ओपीएफ ने अब तक की सबसे अधिक मात्रा में 2102 की संख्या में ब्रेक पैराशूट की आपूर्ति की है।
6. ओपीएफ ने अब तक की सबसे अधिक मात्रा में 40 की संख्या में एचडी पैरा एएन 32 की आपूर्ति की है।

अगर तुम सूरज की तरह चमकना चाहते हो, तो सूरज की तरह जलना सीखो
..... डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

7. वित्त वर्ष 2023-24 में विकसित किए गए नए उत्पाद

1. 3.3 मीटर व्यास का रिबन पैराशूट,
2. क्यू 3 एएमसीए द्वारा ड्राइंग किया गया ब्रेक पैराशूट सिस्टम,
3. पीटीएजी-2 पैराशूट सिस्टम,
4. रूपांतरित एचएपी।

8. स्वप्रमाणन के तहत कुल 08 की संख्या में उत्पादों को इश्यू किया गया ।

9. जीआईएल ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में डीजीक्यूए के दायरे में आने वाले अंतिम उत्पाद की 10 की संख्या के लिए स्वप्रमाणन की स्थिति प्राप्त करने के लिए आवेदन किया है।

2023-24 का सेल वैल्यू

मांगकर्ता	मासिक सेल वैल्यू जी.एस.टी. व आई.सी. के साथ	संचयी सेल वैल्यू		निरीक्षण क्लीयरेंस की प्रतीक्षा	जारी करने हेतु क्लीयर निरीक्षण	कुल फ्लैश वीओआई
		बिना जी.एस.टी. व आई.सी. के साथ	जी.एस.टी. व आई.सी. के साथ			
1	-	2	2 (ए)	3	4	5=(2+3+4)
आर्मी	10.83	63.18	74.55	0.00	0.00	63.18
एयरफोर्स	11.28	63.45	74.88	0.00	0.00	63.45
नेवी	0.20	10.35	12.21	0.00	0.00	10.35
ओडीडी	0.00	1.17	1.38	0.00	0.00	1.17
निर्यात	8.82	17.81	17.81	0.00	3.06	20.87
सीटी	3.23	8.88	10.28	0.00	0.00	8.88
आईएफडी	2.17	11.99	14.15	0.00	0.00	11.99
कुल	36.53	176.83	205.25	0.00	3.06	179.89

अनुभागों द्वारा किए गए विशिष्ट कार्यों का विवरण वित्त वर्ष 2023-24

अनुभाग	कार्यों का विवरण
पी 3 उत्पादनशाला	1. पी3 अनुभाग के गैंग नंबर 411 द्वारा पायलट पैरा एसयू 30 के निर्माण की शुरूआत। 2. पायलट पैरा पीएसयू 36 के लिए एसपी 36 पैराशूट जो कि निर्माणी का एक तकनीकी उत्पाद है, के निर्माण की शुरूआत । यह P3 महिला अनुभाग के दो कुशल कर्मचारियों श्रीमती विभा शर्मा, टेलर/एचएस I और श्रीमती वंदना त्रिपाठी, टेलर/एचएस I द्वारा किया गया। 3. 08 मार्च 2024 को अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला कार्मिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से निर्माणी में एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। 4. हल्के लड़ाकू विमान के लिए एल.सी.ए. पैराशूट निर्माण की शुरूआत।
एमएस, ईओ (पीएंडएम) एवं ईओ (सीडब्लू)	1. 500 KWp रूफ टॉप सोलर पैनल का आर्डर देना। 2. 400 केवीआर और 200 केवीआर स्वचालित पावर फैक्टर करेक्शन पैनल (एपीएफसी) की स्थापना (यूटीलिटी .99)। 3. 500 केवीए डीजी सेट का उद्घाटन। 4. तीन आवासीय संपत्तियों यानी शांति नगर डिफेंस कालोनी टाइप- III, जीटी रोड टाइप- II और जीटी रोड टाइप- I का हैंड ओवर। 5. इन उपरोक्त कालोनियों के क्वार्टरों का सिविल एवं विद्युत मेंटेनेंस का कार्य त्वरित गति से किया गया। 6. सीएसडी के कैपीटल आइटमों के खरीद के लिए नए भवन/एडवांस काउंटर का निर्माण । 7. औद्योगिक कैंटीन के निकट ओल्ड सब स्टेशन कहेतु 1000 केवी ट्रांसफार्मर की खरीद । 8. उद्योग 4.0 (I 4.0) मानक के अनुसार ह्यूमिडिटी चैम्बर, हॉट एयर ओवन, बर्स्टिंग स्ट्रेंथ टेस्टर आदि जैसे उन्नत तकनीकी प्रयोगशाला उपकरणों की खरीद।

"जिस चीज को आप चाहते है, उसमें असफल होना, जिस चीज को आप नहीं चाहते हैं , उसमें सफल होने से बेहतर है..... जार्ज बर्न्स

अनुभाग	कार्यों का विवरण
	9. उन्नत तकनीकी प्रौद्योगिकी के साथ 105 सिलाई मशीनों की खरीद 10. 01 मेगा वाट सौर ऊर्जा संयंत्र का प्रस्ताव 11. हस्तांनतरित कश्वलोनियों के लिए नए ट्रांसफार्मर का प्रस्ताव 12. पी6 बिल्डिंग का नवीनीकरण (अप्रयुक्त शौचालय के डिमालिशन के बाद) 13. प्रगति पथ शिलालेख का निर्माण एवं उद्घाटन
एचआरडी अनुभाग	1. आईआईटी, कानपुर के प्रोफेसर श्री निशीथ श्रीवास्तव द्वारा एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) पर विशेष प्रशिक्षण। 2. 60 प्रशिक्षुओं की नियुक्ति (52 एटीएस और 8 डिप्लोमा धारक प्रशिक्षु) 3. एसआईआई. 10 एन/टी स्नातक प्रशिक्षुओं की नियुक्ति 4. पीएमओ डॉ. (श्रीमती) ज्योति त्रिवेदी द्वारा ट्रेड अपरेंटिसेस और डिप्लोमा धारकों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा पर व्याख्यान 5. दिनांक 09.10.2023 को साइबर सुरक्षा पर विशेष कार्यशाला 6. प्राथमिक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य स्वच्छता, सेवानिवृत्ति के बाद जीवन की दूसरी पारी, साइबर सुरक्षा पर ऑनलाइन जागरूकता प्रशिक्षण, उद्योग 4.0 मानक, एमसीपी का प्रशिक्षण, मिलेट्स को बढ़ावा देने हेतु विशेष कार्यशाला आदि विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन 7. अन्य व्याख्यान एवं कार्यशालाओं का आयोजन
आईटी अनुभाग	1. विविध आंकड़ो से युक्त डेटा सहित फैक्ट्री के कामनेट पर इंटरैक्टिव और लाइव डैशबोर्ड का निर्माण। 2. कियॉस्क की स्थापना, जिसमें कार्मिक निर्माणी कॉमनेट पर उपलब्ध आकड़ों को लीव, पारिवारिक विवरण इत्यादि आसानी से देख सकता है । 3. निर्माणी के कामनेट पर आज के शब्द एवं आज के विचार का प्रदर्शन का प्रदर्शन एवं उस कर्मचारी को बधाई संदेश जिसका उस विशेष दिन पर जन्मदिन है। 4. डीएलटी तकनीक द्वारा कर्मचारी को विविध प्रकार के संदेशों के प्रेषण की शुरूआत 5. भारत सरकार के निदेशानुसार माया ओएस की व्यवस्था 6. विभिन्न वर्चुअल मीट के आयोजन के लिए वेबेक्स (WebEx) सदस्यता 7. एंटी-वायरस सर्वर कान्फिगरेशन 8. क्यूमी (एम) अनुभाग में गुणात्मक डेटा विश्लेषण साफ्टवेयर QDAS की स्थापना। 9. निर्माणी के स्वतंत्र वेबसाइटः *www.opt.glidersindia.in* की स्थापना । इस वेबसाइट को द्विभाषी रूप में विकसित किया गया है। 10. वेबसाइट होस्टिंग के लिए एनआईसी क्लाउड का निर्माण 11. साइबर सुरक्षा समूह (सीएसजी) ऑडिट 12. वेबपेज की समीक्षा 13. जीआईएल कार्पोरेट मुख्यालय की नवीनीकृत द्विभाषी वेबसाइट : *https://www.glidersindia.in* 14. डीआरडीओ द्वारा विकसित हार्डेन्ड लॉयनक्स ओएस (Hardend Linux os) माया (Maya) का निर्माणी के सभी इंटरनेट फेसिंग कम्प्यूटर में इंस्टालेशन

जो मनुष्य अपने अवगुण व दूसरों के गुण देखता है,
वही महान मानव बन सकता है....... सुकरात

अनुभाग	कार्यो का विवरण
स्थापना अनुभाग	1. निर्माणी में अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष पुरस्कारों की शुरुआत। 2. आउट स्टैंडिग लीडरशीप अवार्ड के अन्तर्गत कुल 02 ग्रुप ए अधिकारियों को पुरस्कृत किया गया । 3. सर्वश्रेष्ठ प्रबंधक पुरस्कार के अन्तर्गत एक ग्रुप ए अधिकारी को पुरस्कृत किया गया। 4. कर्मचारी उत्कृष्टता पुरस्कार के अन्तर्गत एक ग्रुप बी अधिकारी को सम्मानित किया गया । 5. यंग विजनरी अवार्ज के अन्तर्गत एक ग्रुप बी अधिकारी को सम्मानित किया गया । 6. दिनांक 01.01.2024 को 25 वर्ष की दीर्घ सेवा पूर्ण करने वाले कुल 234 कर्मचारियों एवं अधिकारियों को दीर्घ सेवा पदक से सम्मानित किया गया । 7. कर्मचारियों और अधिकारियों का पीआईएस डेटा अपडेट किया गया। 8. पुर्नियोजन - निर्माणी के उत्पादन को उच्चतम सीमा तक ले जाने हेतु कुल 9 सेवा निवृत्त विशेषज्ञ कार्मिकों को पुनर्नियोजित किया गया। स्टॉफ साइड से 01 अनुदेशक (प्रशासनिक विशेषज्ञ) एवं 01 अनुभागीय अधिकारी प्लानिंग विशेषज्ञ को नियुक्त किया गया एवं कुल 9 टेलर (पैराशूट उत्पादन विशेषज्ञ) को भी नियुक्त किया गया।
एफएंडए अनुभाग	1. रसीद बाउचर (आरबी) बनने के 30 दिनों के अन्दर एमएसएमई कर्मो का भुगतान 2. सभी पेंडिग भुगतान 31 मार्च 2024 तक पूर्ण कर लिए गए हैं 3. मार्च 2024 में रिकॉर्ड 393 बिल पास किए गए 4. एलपी (806/डी) बजट में रू. 35.06 करोड़ के टारगेट के अन्तर्गत कुल रू. 37.06 करोड़ बजट का उपयोग किया गया । 5. निर्माणी रिसीवेबल्स एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (आरएक्सआईएल) टीआरईडीएस प्लेटफार्म के साथ पंजीकृत है जो आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हुए एमएसएमई को कार्यशील पूंजी की आपूर्ति करता है। 6. रू0 3.78 करोड़ कैपेक्स (CapEx) से संबंधित बिल के भुगतान की कार्यवाही शुरू कर दी गईहै ।
पीवी अनुभाग	1. पीटीएजी -2 डेवलपमेंट ऑर्डर के लिए मैटेरियल कवरेज का कार्य सफलतापूर्वक किया गया। 2. पायलट पैरा एसयू 30 फार पीएसयू 36 के लिए मेटल कंपोनेंट हेतु मैटेरियल कवरेज सफलतापूर्वक सम्पन्न की गई । 3. पी7 हेवी ड्राप पैराशूट सिस्टम लिए मैटेरियल कवरेज सफलतापूर्वक संपन्न की गई । 4. जीईएम (GeM) के द्वारा एमएसएमई प्रोक्योरमेंट का 72-36% का लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त किया गया ।

जो व्यक्ति वास्तव मे महान है, वह प्रत्येक मनुष्य को महान होने का अहसास दिलाता है .... चार्ल्स डिकनस

अनुभाग	कार्यो का विवरण
संरक्षा एवं फॉयर ब्रिगेड अनुभाग	1. 53वां सुरक्षा सप्ताह 4 मार्च से 9 मार्च 2024 तक ईएसजी उत्कृष्टता के लिए सुरक्षा नेतृत्व विषय पर आयोजित की गई। 2. 04 मार्च 2024 को संरक्षा सप्ताह के उदघाटन समारोह में ध्वजारोहण एवं शपथ ग्रहण समारोह के साथ संरक्षा सप्ताह की शुरूआत की गई। 3. संरक्षा सप्ताह में निबंध, पोस्टर, स्लोगन एवं सुझाव प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया । 5. निर्माणी में पहली बार म्युचुअल फॉयर प्रैक्टिस प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। 6. दिनांक 09.03.2024 को संरक्षा सप्ताह में आयोजित विविध प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया एवं समापन समारोह का आयोजन किया गया।
ओडीसी अनुभाग	1. निर्माणी द्वारा द्वारा आईआईटी, दिल्ली की मदद से एआई आधारित फैब्रिक निरीक्षण मशीन विकसित की गई । 2. एडीआरडीई, आगरा के सहयोग से पीटीएजी पैराशूट परियोजना का प्रोटोटाइप पूर्ण किया गया । 3. एडीआरडीई, आगरा के सहयोग से सैन्य युद्ध पैराशूट प्रणाली पूर्ण की गई ।
पी 4 उत्पादनशाला	**निम्नलिखित निदेशित टारगेट पूर्ण किया गया ।** 1. कुल 425 पीटीएआर पैराशूट का उत्पादन सफलतापूर्वक किया गया। 2. कुल 188 बीपी एसयू-30 पैराशूट का उत्पादन सफलतापूर्वक किया गया। 3. कुल 172 बीपी हाक (एजेआई) पैराशूट का उत्पादन सफलतापूर्वक किया गया। 4. कुल 187 एयर क्रू चेस्ट टाईप (एजीसीटी) का उत्पादन सफलतापूर्वक किया गया। 5. कुल 66 बीपी एलसीए-21 ब्रेक पैराशूट का उत्पादन सफलतापूर्वक किया गया। 6. कुल 37 एचएपी पैराशूट का उत्पादन सफलतापूर्वक किया गया। 7. कुल 70 पीटीए-एम पैराशूट का उत्पादन सफलतापूर्वक किया गया। 8. कुल 66 बीपी मिग-21 पैराशूट का उत्पादन सफलतापूर्वक किया गया। 9. कुल 119 आर-पीटीएएम पैराशूट का उत्पादन सफलतापूर्वक किया गया। 10. कुल 205 आर-एचएपी पैराशूट का उत्पादन सफलतापूर्वक किया गया। 11. कुल 08 आर-एसयू 30 पैराशूट का उत्पादन सफलतापूर्वक किया गया। 12. कुल 48 आक्सी बीपी हॉक आर-एसयू 30 पैराशूट का उत्पादन सफलतापूर्वक किया गया। 13. कुल 310 लाईन स्टैटिक पैराशूट का उत्पादन सफलतापूर्वक किया गया।

हिन्दी वह धागा है जो विभिन्न मातृभाषाओं रूपी फूलों को पिरोकर भारत माता के लिए सुन्दर हार का सृजन करेगा .... जाकिर हुसैन

<table>
<tr><th>अनुभाग</th><th>कार्यो का विवरण</th></tr>
<tr><td>पी 6 उत्पादनशाला</td><td>निम्नलिखित निदेशित टारगेट पूर्ण किया गया ।
1. कुल 32 एएन-32 हैवी ड्राप पैराशूट का उत्पादन
2. कुल 33 हैवी ड्राप पैराशूट का उत्पादन
3. कुल 41 पी पैरा बीएमके पैराशूट का उत्पादन
4. कुल 40 पायलट पैरा जगुआर पैराशूट का उत्पादन
5. कुल 95 मिराज कैनोपी का उत्पादन
6. कुल 33 एएन-32 हैवी ड्राप पैराशूट का उत्पादन
7. कुल 33 एएन-32 हैवी ड्राप पैराशूट का उत्पादन
8. कुल 33 एएन-32 हैवी ड्राप पैराशूट का उत्पादन
9. कुल 33 एएन-32 हैवी ड्राप पैराशूट का उत्पादन</td></tr>
<tr><td>पी 5 उत्पादनशाला</td><td>1. वित्त वर्ष 2023-24 में रिकार्ड कुल 85 पीपी बीपी एसयू 30 (पीएसयू 36) का उत्पादन संपादित किया गया।
2. पी5 अनुभाग के गैंग सं. 230,232 एवं 233 द्वारा विविध देशों को रिकार्ड कुल 220 बीपी एसयू 30 पैराशूट की आपूर्ति की गई ।
3. एडीआरडीई, आगरा के सहयोग से सुपर सोनिक एसिस्टेट रिलीज टारपिडो (SMART) के लिए रिबन पैराशूट को विकसित किया गया एवं उसका उत्पादन सुनिश्चित किया गया।</td></tr>
<tr><td></td><td>1. हिंदी दिवस/हिंदी पखवाड़े का आयोजनः- राजभाषा हिंदी के उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए निर्माणी में हिंदी दिवस एवं हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया गया । हिंदी पखवाड़े के दौरान दिनांक 20.09.2023 से दिनांक 29.09.2023 तक कुल 06 प्रतियोगिताएं आयोजित की गई एवं विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया ।
2. कवि संगोष्ठी का आयोजनः- हिंदी पखावाड़े के समापन समारोह दिनांक 29.09 2023 को कानपुर के प्रतिष्ठित कवियों की उपस्थिति में कवि संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में ग्रुप ए अधिकारियों सहित अन्य कार्मिकों एवं पदाधिकारियों की भी सहभागिता रही।</td></tr>
</table>

जिस व्यक्ति में लोभ है उसे दूसरे अवगुण की क्या जरूरत है ..... भर्तृहरि

अनुभाग	कार्यो का विवरण
	3. राजभाषा पोर्टलः निर्माणी में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन को तकनीक से जोड़ते हुए आन्तरिक वेबसाईट में निर्मित राजभाषा पोर्टल पर विविध अध्ययन सामग्री यथा आज का शब्द एवं विचार, हिंदी पत्र पत्रिकाएं, पुस्तकालय में पुस्तकों की सूची, आनलाईन शब्द कोश, राजभाषा कार्यान्वयन के नियम/उपनियम, विविध, परिपत्र एवं आदेश एवं ई-पुस्तकालय उपलब्ध कराई गई । **4. त्रैमासिक प्रतियोगिताओं का आयोजनः-** वित्त वर्ष 2023-24 के लिए निर्माणी के विभिन्न अनुभागों के सहभागिता के आधार पर रोस्टर के अनुसार त्रैमासिक प्रतियोगिताएं (प्रत्येक तिमाही 3 प्रतियोगिताएं) आयोजित की गई एवं विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया । **5. डिजिटल मासिक पत्रिका का प्रकाशनः-** महाप्रबंधक महोदय के निदेशानुसार राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं आयुध पैराशूट निर्माणी, कानपुर में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों की साहित्यिक प्रतिभा को उजागर करने एवं निर्माणी के विविध क्रिया-कलापों को संग्रहित करते हुए एक मासिक डिजिटल ओपीएफ-ई-पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है, जिसे निर्माणी के कॉमनेट पर राजभाषा पोर्टल पर नियमित रुप से अपलोड किया जा रहा है । निर्माणी का कोई भी कार्मिक इसे ऑनलाईन एक्सेस कर सकता है । **6. विशेष उपलब्धिः-** हर्ष एवं गौरव का विषय है कि वर्ष 2022-23 के लिए उत्तर क्षेत्र-2 (उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड) स्थित 'क' क्षेत्र में केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों की श्रृंखला में राजभाषा नीति- निर्देशों के कार्यान्वयन तथा हिंदी के प्रयोग में उत्कृष्ट कार्य हेतु आयुध पैराशूट निर्माणी, कानपुर ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया है । **7. विशेष उपलब्धिः-** हर्ष एवं गौरव का विषय है कि वर्ष 2022-23 के लिए उत्तर क्षेत्र-2 गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के तत्वावधान में दिनांक 28.12.2023 को ज्ञान चन्द्र घोष लेक्चर हाल आईआईटी, जोधपुर, राजस्थान में राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन के क्षेत्र में अभूतपूर्व एवं उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए निर्माणी के तत्कालीन राजभाषा अधिकारी को एक शील्ड एवं राजभाषा अनुभाग के अनुभागाध्यक्ष को एक प्रशस्ति पत्र क्रमशः माननीय राज्यपाल राजस्थान श्री कलराज मिश्र एवं माननीय गृह राज्यमंत्री, भारत सरकार श्री अजय कुमार मिश्र द्वारा प्रदान की गई ।
लैब अनुभाग	**1. वित्त वर्ष 2022-23 एवं वित्त वर्ष 2023-24 के लाट्स परीक्षण के तुलमात्मक ऑकड़े**

वित्त वर्ष 2022-23 के विवरण		वित्त वर्ष 2023-24 के विवरण	
मैटेरियल	लाट्स की संख्या	मैटेरियल	लाट्स की संख्या
टेक्सटाइल्स	830	टेक्सटाइल्स	610
मेटल	330	मेटल	238

2. किसी भी अतिरिक्त मैनपावर के वित्त वर्ष 2022-23 के तुलना में वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़े लाट्स का परीक्षण लैब अनुभाग द्वारा सफलतापूर्वक किया गया ।
3. परीक्षण की समय सीमा कम करने के उद्देश्य से एवं समयोपरि भत्ते (ओटी) के बिना से लैब अनुभाग द्वारा 16 घंटे की ड्यूटी 2 शिफ्ट में संपन्न कराई गई ।
4. लैब अनुभाग ने विविध उत्पादनशालाओं द्वारा निर्माणी लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु समय से परीक्षण संपादित किया गया।

एक आदर्श संन्यास होने की अपेक्षा एक आदर्श ग्रहस्थ होना अधिक कठिन श्रृंखला हैं। ..... स्वामी विवेकानन्द

अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन

निर्माणी में अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन दिनांक 8 मार्च 2024 को हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन पीजीडब्लूएफ की कोरपोरेट अध्यक्ष श्रीमती निधि तिवारी की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती वैशाली धोपोड़कर, श्रीमती सत्यप्रिया सुब्रमणियम के साथ-साथ अन्य महिला अधिकारियों के साथ-साथ अन्य पदाधिकारियों एवं कार्मिकों की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरूआत पीजीडब्लूएफ कारपोरेट की अध्यक्ष श्रीमती निधि तिवारी द्वारा केक काट कर किया गया। महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों मुख्य आकर्षण पीएमओ डॉ. श्रीमती ज्योति त्रिवेदी के दिशा-निर्देशन में सरवाइकल कैंसर आदि के बचाव एवं रोकथाम लिए आयोजित विशेष कार्यशाला रहा।

निर्माणी में अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस का दृश्य

यह आत्म विश्वास रखो कि आप धरती के सबसे आवश्यक इंसान हो - गोर्की

संरक्षा सप्ताह का आयोजन

महाप्रबंधक महोदय के निर्देशानुसार निर्माणी में 53 वां राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह का आयोजन दिनांक 04.03.2024 से दिनांक 09.03.2024 तक इस वर्ष के थीम **'पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) उत्कृष्टता के लिए सुरक्षा नेतृत्व'** के साथ मनाया गया । निर्माणी में कार्यक्रम की शुरूआत दिनांक 04 मार्च 2024 को निर्माणी एवं सम्बद्ध संस्थाओं के अधिकारियों, कर्मचारियों, जेसीएम तृतीय एवं लीडर स्टाफ साइड जेसीएम जेसीएम चतुर्थ, कार्यसमिति एवं कैंटीन प्रबंधन समिति के सदस्यों व यूनियन, एसोशिएसनों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में महाप्रबंधक महोदय द्वारा फ्लैग होस्टिंग एवं शपथ ग्रहण समारोह से की गई । संरक्षा सप्ताह के अवसर पर निर्माणी में कार्मिकों के उत्साहवर्धन के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता, संरक्षा सुझाव प्रतियोगिता एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया । इस वर्ष संरक्षा सप्ताह का मुख्य आकर्षण पहली बार आयोजित अन्तर संस्थागत म्युचुअल फायर प्रैक्टिस प्रतियोगिता रहा । इस म्युचुअल फायर प्रैक्टिस प्रतियोगिता में ओपीएफ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया ।

दिनांक 09.03.2024 को महाप्रबंधक महोदय की अध्यक्षता में अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों की उपस्थिति में समापन समारोह का आयोजन किया गया । समापन समारोह में राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह के दौरान आयोजित विविध प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया ।

संरक्षा सप्ताह के विविध दृश्य

जो मनुष्य नारी को क्षमा नहीं करता, उसे उसके महान गुणों का उपयोग करने का कभी अवसर प्राप्त नहीं होता ..... खलिल जिब्रान

वित्त वर्ष 2023 - 24 की उपलब्धियाँ

ओईएफ इंटर कालेज के विद्यार्थियों का निर्माणी विजिट

दिनांक 03 अक्टूबर 2023 को ओईएफ इण्टर कालेज के विद्यार्थियों ने ओपीएफ का शैक्षणिक भ्रमण किया एवं निर्माणी में उत्पादित हो रहे पैराशूट्स के उत्पादन के विषय में तकनीकी जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों ने लैब एवं प्रदर्शनी कक्ष का भी अवलोकन किया। विद्यार्थियों ने निर्माणी के महाप्रबंधक श्री एमसी बालासुब्रमणियम महोदय से औपचारिक मुलाकात की एवं पैराशूट उत्पादन से जुड़े विविध प्रश्न भी पूछे। महाप्रबंधक महोय ने बच्चों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

निर्माणी सभाकक्ष में छात्र-छात्राओं को एक प्रजेन्टेशन (डिजीटल प्रस्तुति) के द्वारा जीआईएल संगठन व निर्माणी के बारे में तथा निर्माणी के उत्पादों के बारे में जानकारी प्रदान की गयी।

इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री एम.सी. बालासुब्रमणियम ने कहा कि किसी भी उद्योग में छात्र-छात्राओं के विजिट से नवाचार (इनोवेशन) को बढ़ावा मिलता है। बच्चे देश का भविष्य हैं, उनमें उद्योगों के बारे में यदि शुरु से ही जानकारी प्रदान की जाए जाए, तो इससे बच्चों के मन में नवीन शोध को लेकर जागरुकता उत्पन्न होगी। उन्होंने कहा कि यह विजिट निश्चित रूप से नया विचार एवं उद्योगों के विकास में स्वस्थ चिंतन प्रदान करने वाला सिद्ध होगा।

ओईएफ इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य श्री एस.बी.एस. सेंगर ने कहा कि बच्चों ने आज ओपीएफ के उत्पादों को देखा और ढेर सारा ज्ञान प्राप्त किया। निश्चित रूप से पैराशूट को लेकर आज मिली जानकारी हमारे बच्चों के भविष्य के लिए काफी प्रभावशाली रहेगी।

विद्यार्थियों के विजिट का विविध दृश्य

सीएसडी कैंटीन के कैपिटल आइटम लिए एक अलग काउंटर का विनिर्माण

निर्माणी में दिनांक 29.10.2023 को धनतेरस के अवसर पर महाप्रबंधक श्री एम.सी. बालासुब्रमणियम ने वरिष्ठ अधिकारियों, निर्माणी के कार्मिकों, जेसीएम, यूनियन-एसोसिएशन के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सीएसडी कैपिटल आइटम विस्तार काउण्टर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जीआईएल के लिए कर्मचारियों का हित सर्वोपरि है।

कर्मचारियों के हित में जारी रहेंगी कल्याणकारी गतिविधियां

समाचार पत्र में भी उद्घाटन का दृश्य

सच्चा विश्वास हो तो मनुष्य उसके बल पर पर्वतों को भी हिला सकता है।
...... महात्मा गाँधी

वित्त वर्ष 2023 - 24 की उपलब्धियाँ

भारतीय औद्योगिक एसोसिएशन (आई.आई.ए.) के सहयोग से एवं ओपीएफ, कानपुर द्वारा में इन्ड्रस्ट्रियल मीट

ओपीएफ द्वारा दिनांक 24.11.2023 को भारतीय औद्योगिक एसोसिएशन (I.I.A., Kanpur) कानपुर के सहयोग से एक इन्ड्रस्ट्रियल मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत महाप्रबंधक श्री एम.सी. बालासुब्रमणियम द्वारा जीआईएल कॉरपोरेट मुख्यालय के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत से किया गया। इन्ड्रस्ट्रीयल मीट में कानपुर के अन्य उद्यमियों ने भी सहभागिता की एवं ओपीएफ से जुड़ने के लिए अपनी अभिरूचि दिखाई। इस अवसर पर जीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री वी.के. तिवारी एवं ओपीएफ के महाप्रबंधक श्री एम.सी.बालासुब्रमणियम के साथ संयुक्त महाप्रबंधक श्री विवेक गुप्ता एवं कोनन कुमार टोप्पो , कार्यप्रबंधक श्री ओमेश सिन्हा एवं श्री अमरदीप कुमार भी उपस्थित थे ।

इन्ड्रस्ट्रीयल मीट के विविध दृश्य

दूसरों के दोष न देखें। अपना चरित्र सुधारें। अपना चरित्र पवित्र बनाएं। संसार अपने आप सुधर जाएगा। — स्वामी विवेकानंद

वित्त वर्ष 2023 - 24 की उपलब्धियाँ

निर्माणी में अन्य विविध उपलब्धियां एवं कार्यक्रम का आयोजन

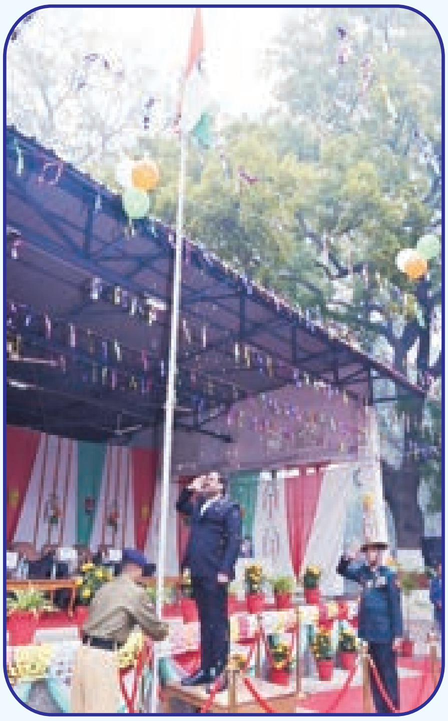

दूसरों के दोष न देखें। अपना चरित्र सुधारें। अपना चरित्र पवित्र बनाएं।
संसार अपने आप सुधर जाएगा। — स्वामी विवेकानंद

वित्त वर्ष 2023 – 24 की उपलब्धियाँ

रक्षा क्षेत्र के उत्पादन में नई ऊँचाईयाँ प्रदान करती निर्माणी की नारी शक्ति

भारतीय समाज में सदियों से ही नारी की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कहा जाता है यत्र नार्यस्तु पूज्यंते, रमन्ते तत्र देवता अर्थात जहाँ नारी की पूजा होती है वहाँ देवता रमण करते हैं । निर्माणी में भी महिलाओं द्वारा उत्पादन के क्षेत्र में विशेष कार्य किए जा रहे है। महिला सशक्तीकरण आंदोलन को और भी सशक्त बनाने के लिए प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। निर्माणी के महिला कार्मिकों की भी अहम भूमिका है । नारी तो शब्द, भाव और अर्थ की त्रिवेणी है । निर्माणी में एक ओर जहां पी 3 उत्पादनशाला की अनुभागाध्यक्ष एवं कनिष्ठ कार्य प्रबंधक श्रीमती किरन राजपाल के नेतृत्व में निर्माणी की नारी शक्ति विविध पैराशूटों को उत्पादन के क्षेत्र में अपना अभूतपूर्व योगदान दे रही हैं तो दूसरी ओर पीवी अनुभाग की अनुभागाध्यक्ष एवं कनिष्ठ कार्यप्रबंधक श्रीमती अनुपमा त्रिपाठी के नेतृत्व में विविध उत्पादशालाओं में विभिन्न प्रकार का मैटेरियल्स का कवरेज समय से दिया जा रहा है । नेतृत्व कर रही निर्माणी की ये दोनों महिलाएं श्रीमती अनीता मंडलोई के शब्दः 'स्वावंलबी हूँ, न अबला हूँ, न बेचारी हूँ। गर्व खुद पर है कि मैं भारत की नारी हूँ' को चरितार्थ करती हैं ।

निर्माणी की महिला कार्मिकों द्वारा फाइटर पायलट के लिए अत्याधुनिक पैराशूट का विनिर्माण किया जा रहा है। विदित हो कि पिछले एक दशक से निर्माणी में रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आने वाली महिलाओं को निरंतर प्रोत्साहित किया जा रहा है । परिणाम यह है कि एक दशक पहले ओपीएफ में पैराशूट निर्माण करने वाली महिलाओं की संख्या मात्र 10 अथवा 12 हुआ करती थी जो आज बढ़कर 68 हो गई है भारत एवं निर्माणी के बदलते परिवेश में रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भी महिलाएं आगे आ रही हैं । पी3 उत्पादनशाला की महिला कार्मिक फाइटर प्लेन के ब्रेक पैराशूट के निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दे रही हैं । श्रीमती किरन राजपाल पी 3 अनुभाग के अनुभाग प्रमुख के साथ-साथ ओपीएफ के लैब का भी प्रभार उनके पास है । उनके द्वारा ओपीएफ में नारी शक्ति को आगे लाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं । आने वाली नई पीढ़ी भी पैराशूट विनिर्माणी में आगे बढ सके इसके लिए महिला प्रशिक्षुओं की भी भर्ती की जा रही है। निर्माणी स्तर पर उन्हें उन्नत प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है । वर्तमान में पी 3 अनुभाग में कुल 50 महिला कार्मिक एवं 18 महिला प्रशिक्षु कार्यरत हैं । पी 3 अनुभाग के महिला कार्मिकों की टीम भारत के फाइटर विमान सुखोई 30 के लिए ब्रेक पैराशूट के साथ-साथ हल्के लड़ाकू विमान के लिए ब्रेक पैराशूट एवं मैन कैरेइंग पैराशूट पीटीए-आर के उत्पादन कार्य से जुड़ी हैं ।

निर्माणी में कार्य करने वाली सभी महिला कार्मिक के साथ-साथ देश के रक्षा क्षेत्र में दिए जाने वाले अपने योगदान से गौरवान्वित महसूस कर रही हैं। पी 3 अनुभाग में कार्य करने वाली सारी महिलाएं अपने-अपने घरों के जिम्मेदारियों के साथ-साथ पैराशूट उत्पादन की भी जिम्मेदारी निभा रही हैं । पी 3 अनुभाग के गैंग स. 411 द्वारा पायलट पैरा एसयू 30 के निर्माणी की शुरूआत अनुभाग के लिए मील का पत्थर साबित होगा । जैसा कि पीएसयू 36 के लिए पैराशूट, जो कि निर्माणी का उन्नत उत्पाद है जिसे बनाने के लिए एक उन्नत तकनीक की आवश्यकता है । पी 3 अनुभाग के दो कुशल महिला कार्मिकों श्रीमती विभा शर्मा, टेलर/एचएस \ एवं श्रीमती वंदना त्रिपाठी टेलर/एचएस \ द्वारा संपादित किया गया है । महिला अनुभाग द्वारा ही हल्के लड़ाकू विमान के लिए एलसीए पैराशूट निर्माण की शुरूआत की गई ।

निर्माणी वायु सेना, थल सेना के साथ-साथ गृह मंत्रालय ने भी पैराशूट निर्माणी में उत्पादित हो रहे। पैराशूट्स की सराहना की है। वर्ष 2023 में रक्षा उत्पादन में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ अर्जित की हैं । निःसंदेह ही इन उपलब्धियों में महिला कार्मिकों की महत्वपूर्ण योगदान रहा है ।

पीवी अनुभाग की अनुभागाध्यक्ष श्रीमती अनुपमा त्रिपाठी अपने टीम के साथ

पी3 एवं लैब अनुभागाध्यक्ष श्रीमती किरन राजपाल की महिला टीम

परिवेश गुप्ता
जे.टी.ओ.

विजय उन्ही की होती होती है, जो अपने आपको संकट में डालने की क्षमता रखते हैं
.. नेता जी सुभाष चन्द्र बोस

प्रयास ग्लाइडर्स वेलफेयर फाउण्डेशन के तत्वावधान में नेत्र शिविर का आयोजन

प्रयास ग्लाइडर्स फाउण्डेशन के तत्वावधान में दिनांक 13.04.2024 (शनिवार) जीटी रोड कालोनी स्थित बारात शाला में नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया गया । जाँच में विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं, बच्चियों एवं लोगों ने नेत्र चिकित्सकों की टीम से आँखो के परीक्षण कराए । परीक्षण शिविर का उदघाटन प्रयास ग्लाइडर्स वेलफेयर की कारपोरेट अध्यक्षा श्रीमती निधि तिवारी ने किया । इस अवसर फाउण्डेशन के वरिष्ठ पदाधिकारियों में श्रीमती वर्षा दाते, प्रयास ग्लाइडर्स फाउण्डेशन की अध्यक्षा श्रीमती बी सत्यप्रिया एवं एक्जक्यूटिव सदस्य श्रीमती - शर्मी बैनर्जी, श्रीमती नीति गुप्ता, श्रीमती कीर्ति, शिखा सिन्हा एवं श्रीमती रीता चन्द्रा उपस्थित थीं । ओपीएफ की पीएमओ श्रीमती ज्योति त्रिवेदी के नेतृत्व एवं दिशा निर्देश में सेन्टर फॉर साइट हॉस्पिटल के श्री अनुराग तिवारी, श्री आलोक सचान, श्री अभय मिश्रा एवं श्री करन सिंह ने आँखों की जाँच की ।

परीक्षण शिविर के विविध - दृश्य

संघ की राजभाषा (अनुच्छेद 343)

संघ के नियम

संघ की राजभाषा हिंदी एवं लिपि देवनागरी होगी, संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग होने वाले अंकों का रूप भारतीय अंकों का अन्तर्राष्ट्रीय रूप होगा।

खण्ड (1) में किसी बात के होते हुए भी, इस संविधान के प्रारम्भ से 15 वर्ष की अवधि तक संघ के उन सभी शासकीय प्रयोजनों के लिए अंग्रेजी भाषा का प्रयोग किया जाता रहेगा जिनके लिए उसका ऐसे प्रारम्भ से ठीक पहले प्रयोग किया जा रहा था, परन्तु राष्ट्रपति उक्त अवधि के दौरान, आदेश द्वारा, संघ के शासकीय प्रयोजनों में से किसी के लिए अंग्रेजी भाषा के अतिरिक्त हिंदी भाषा का और भारतीय अंकों के अंतर्राष्ट्रीय रूप के अतिरिक्त देवनागरी रूप का प्रयोग प्राधिकृत कर सकेगा।

इन अनुच्छेद में किसी बात के होते हुए भी, संसद उक्त 15 वर्ष की अवधि के पश्चात, विधि द्वारा (क) अंग्रेजी भाषा का, या (ख) अंको के देवनागरी रूप का, ऐसे प्रयोजनों के लिए उपबन्धित कर सकेगी जो ऐसी विधि में विनिर्दिष्ट किए जाएं।

(स्तोत्र : भारत का संविधान)

जिसे निज गौरव का भास रहता है
वह किसी को मुफ्त पाने की बनीज्बत उसे अपने पौरुष से प्राप्त करता है... स्वामी रामतीर्थ

सुखोई-30 पैराशूट्स एक्सपोर्ट आर्डर की पहली खेप

ओपीएफ द्वारा नए वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पायलट पैराशूट सुखोई-30 के एक्सपोर्ट आर्डर की पहली खेप महाप्रबंधक श्री एम.सी.बालासुब्रमणियम ने को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दिनांक 23.04.2024 (मंगलवार) को निर्माणी परिसर में आयोजित एक समारोह में महाप्रबंधक महोदय ने कहा कि जीआईएल की एक मात्र विशिष्ट इकाई ओपीएफ में तैयार हो रहे पैराशूट वर्तमान समय में अपना परचम लहरा रहे हैं। उन्होंने बताया कि हमारे पैराशूट उत्कृष्टता एवं गुणवत्ता में बेजोड़ है। इस अवसर पर संयुक्त महाप्रबंधक श्री एस. बनर्जी, कार्य प्रबंधक श्री रूपेश कुमार, श्री ओमेश सिन्हा श्री अमर दीप कुमार, श्री वी.आर. रावत, सहायक कार्य प्रबंधक श्री प्रवीण चन्द्र, जेसीएम-3 सदस्य श्री एस.के. साहू सहित यूनियन-एसोसिएशनों के पदाधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सुखोई 30 पायलट पैराशूट की खेप रवाना

कानपुर। ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड की इकाई आयुध पैराशूट निर्माणी में मंगलवार को नए वित्तीय वर्ष 2024-25 के एक्सपोर्ट आर्डर की पहली खेप रवाना होने से पहले महाप्रबंधक एमसी बालासुब्रमणियम ने पूजन किया। इसके बाद महाप्रबंधक ने पायलट पैराशूट सुखोई-30 एयरक्राफ्ट की पहली लाट रवाना की। उन्होंने कहा कि ओपीएफ में तैयार हो रहे पैराशूट इस समय पूरे विश्व में परचम लहरा रहे हैं। उन्होंने बदलते परिदृश्य के अनुरूप बदलावों के लिए तैयार रहने के लिए कहा। कहा उम्मीद है कि ओपीएफ वर्तमान वित्तीय वर्ष में नया कीर्तिमान स्थापित करेगा। मौके पर एस बनर्जी, रूपेश कुमार, ओमेश सिन्हा, अमर दीप कुमार, त्रिभुवन सिंह, वीआर रावत, प्रवीण चंद्र मौजूद रहे। (ब्यूरो)

समाचार पत्र के झरोखों में भी सुखोई-30 पैराशूट्स एक्सपोर्ट आर्डर की पहली खेप

सुखोई-30 ब्रेक पैराशूट

थल सेना उप प्रमुख जेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी का निर्माणी आगमन

थल सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी एवं मेजर जनरल सीएस मान सिंह के टीएसएल एवं जीआईएल कारपोरेट मुख्यालय के विजिट के दौरान ओपीएफ का भी विजिट किया । उन्होंने निर्माणी के विविध उत्पादनशालाओं में युद्धक विमानों के लिए निर्मित होने वाले विविध पैराशूट्स के बारे में जानकारी प्राप्त की एवं प्रदर्शनी कक्ष का निरीक्षण किया । कानपुर के विविध समाचार पत्रों ने भी इस समाचार को प्रमुखता से स्थान दिया ।

थल सेना उप प्रमुख जेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी का निर्माणी विजिट के विविध दृश्य

ओपीएफ की संभावित/परिप्रेक्ष्य योजना 2024-30

Perspective Plan for 2024-2030 (OPP 2030)

परिप्रेक्ष्य/संभावित योजना का विमोचन करते हुए महाप्रबंधक महोदय एवं अन्य अधिकारीगण

आर्डनेंस पैराशूट फैक्ट्री, कानपुर के सतत और समावेशी विकास को सुनिश्चित करने के लिए, ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक ने आर्डनेंस पैराशूट फैक्ट्री को फैक्ट्री के दीर्घकालिक विकास के लिए विशिष्ट विकास उद्देश्यों के साथ एक ''परिप्रेक्ष्य योजना'' तैयार करने का निर्देश दिया था। परिप्रेक्ष्य योजना जो दीर्घकालिक उद्देश्यों और लक्ष्यों का ब्लू प्रिंट माना जाता है, वर्तमान स्थिति और भविष्य में उपलब्ध अवसरों के बेंचमार्क विश्लेषण के आधार पर तैयार की जाती है।

वर्ष 2024-2030 के लिए परिप्रेक्ष्य योजना को ''ओपीपी 2030'' कहा जाएगा। परिप्रेक्ष्य योजना ''ओपीपी 2030'' ''रक्षा खरीद नीति 2018'' और ''रक्षा उत्पादन और निर्यात संवर्धन नीति (डीपीईपीपी) 2020'' के साथ संरेखित है। जिसमें पैसे पर अधिकतम रिटर्न, नवाचार और उत्पादकता के लिए अधिक ड्राइव के लिए आयुध कारखानों द्वारा केवल विशिष्टध्मुख्य उत्पादों का निर्माण करने का निर्णय लिया गया है। नीति डीपीएसयू को सिस्टम एकीकरण, डिजाइन और विकास पर ध्यान केंद्रित करने और अपने असेंबली कार्यो के लिए निजी क्षेत्रों में विक्रेताओं को सक्रिय रूप से शामिल करने का भी निर्देश देती है। उन्नत विनिर्माण, बढ़ी हुई उत्पादकता और आदेशों के समय पर निष्पादन, कौशल विकास, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, ग्राहक संबंध प्रबंधन, डेटा एनालिटिक्स के लिए आईटी प्रणाली के अधिक उपयोग पर जोर दिया जाना चाहिये।

उपरोक्त दिशा-निर्देशों के अनुरूप निर्माणी के पीएंडपी अनुभाग के कनिष्ठ कार्य प्रबंधक श्री हिमांशू पाण्डेय द्वारा यह अनुभव किया गया कि पैराशूट वस्तुओं से संबंधित शीर्ष 15 निर्यातक देशों के आंकड़ों और इसमें भारत की अल्प हिस्सेदारी के विश्लेषण से, ओपीएफ निर्यात गतिविधियों को विदेशी बाजार में व्यापार की ओर फिर से उन्मुख कर सकता है और अगले 05 वर्षो में विश्व निर्यात में कम से कम 3% हिस्सेदारी हासिल कर सकता है। इन्हीं सभी आवश्य बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए श्री हिमांशू पाण्डेय ने आगामी पाँच वर्षो के लिए एक संभाविथ कार्य योजना तैयार की । जिसके लिए श्री हिंमांशू पाण्डेय को गणतंत्र दिवस 2024 के अवसर पर महाप्रबंधक महोदय द्वारा यंग विजनरी अवार्ड से सम्मानित किया गया ।

''माँ तुझे सलाम'' कार्यक्रम में ओपीएफ ने प्रस्तुत की सर्वश्रेष्ठ झांकी

मीडिया प्रमुख अमर उजाना के विशिष्ट कार्यक्रम एवं अभिनय अभियान ''माँ तुझे सलाम'' के अन्तर्गत स्वतंत्रता दिवस 2024 के अवसर पर आयोजित झाँकी प्रतियोगिता में ओपीएफ को सर्वक्षश्रेष्ठ विजेता घोषित किया गया । टीम ओपीएफ के पीआरओ एवं कार्यप्रबंधक श्री अमरदीप कुमार के साथ-साथ कार्यप्रबंधक श्री प्रियम सिंह, कनिष्ठ कार्यप्रबंधक श्री आदित्य कुमार अमन एवं एपीआरओ श्री ज्ञानेन्द्र पाण्डेय भी उपस्थित थे । कानपुर नगर के जिलाधिकारी श्री विशाख जी ने ओपीएफ के पीआरओ एवं कार्यप्रबंधक श्री अमरदीप कुमार को सम्मानित किया । विविध समाचार पत्रों में भी उपरोक्त खबर को प्रमुखता से स्थान दिया गया।

आयुध पैराशूट निर्माणी की झांकी ने जीता प्रथम पुरस्कार

अभिमान से मनुष्य परमात्मा और स्वर्ग और स्वर्ग से दूर हो जाता है और नम्रता से निकटम
...... बेंजामिन फ्रैंकलिन

समाचार पत्रों के झरोखें से...

इंडोनेशिया में ओपीएफ के उत्पादों को सराहा गया

कानपुर। इंडोनेशिया के जकार्ता में इंडिया-इंडोनेशिया डिफेंस इंडस्ट्री एग्जीबिशन में ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड की उत्पादन इकाई आयुध पैराशूट निर्माणी ने हिस्सा लिया। सोसाइटी आफ इंडियन डिफेंस मैन्यूफैक्चर्स के अतिरिक्त सचिव टी नटराजन की अगुवाई में इसका आयोजन हुआ। ओपीएफ के महाप्रबंधक एमसी बालासुब्रमणियम ने जीआईएल के उत्पादों को वैश्विक पटल पर प्रस्तुत किया। ओपीएफ के पैराशूटों, रबर उत्पादों को लोगों ने सराहना की। इस दौरान एमआईएल, वाईआईएल और एडब्ल्यूईआईएल के अधिकारी भी मौजूद रहे। (ब्यूरो)

नमो देव्यै, महादेव्यै

कानपुर/उन्नाव/शाहजहांपुर/गोरखपुर

ओपीएफ में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर समारोह

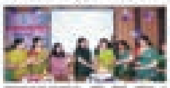

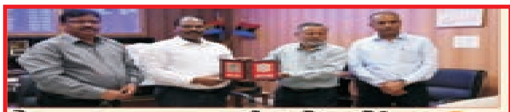

पैराशूट उत्पादन के क्षेत्र में ओपीएफ का कीर्तिमान

पैराशूट के इन्फ्लेटेबल उत्पादों का इण्डोनेशिया में धमाल

सेना उपप्रमुख ने ओपीएफ के उत्पादों की गुणवत्ता परखी

निरीक्षण करते सेना उपप्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी व अन्य।

कानपुर 23 अप्रैल। आयुध पैराशूट निर्माणी (ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड की इकाई) में मंगलवार को सेना उपप्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने उत्पादों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि जीआईएल के उत्पादों की गुणवत्ता में उच्च स्तर पर सुधार हुआ है। लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने निर्माणी प्रशासनिक भवन उत्पादनशालाओं एवं निर्माणी प्रयोगशाला (लैब) में किए जा रहे कार्यों का अवलोकन किया और इस दौरान उन्होंने निर्माणी में बन रहे उत्पादों की सराहना की। उन्होंने कहा कि लंबे समय से हमारा यहां आना अपेक्षित था। जो आज पूरा हो गया। ... में गुणवत्ता को लेकर यहां उच्चस्तर पर सुधार हुआ है। यह अत्यन्त प्रशंसनीय है। ग्लाइडर्स इण्डिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक विजय कुमार तिवारी ने कहा कि जीआईएल की इकाई ओपीएफ की पूरी टीम गुणवत्तायुक्त और विश्वसनीयता के साथ उत्पादन के लिए कटिबद्ध एवं समर्पित है। इसके पूर्व ओपीएफ कानपुर में आगमन के दौरान भावपूर्ण स्वागत किया गया। इस अवसर पर निदेशक सुनील दत्त, निदेशक (वित्त) सुरेन्द्र पाथेड़कर, जीआईएल के जीएम (एचआर) एस के सिंह, ओपीएफ के महाप्रबंधक एमसी बाला सुब्रमणियम, संयुक्त महाप्रबंधक एस बनर्जी ... आदि मौजूद रहे।

प्रयास ग्लाइडर्स वेलफेयर फाउंडेशन का नेत्र जांच शिविर

ओपीएफ की महिलाओं और बच्चियों में बेहद उत्साह रहा

OPF felicitated for compliance of Rajbhasha policies

पैराशूट फैक्ट्री में महिलाओं को स्वास्थ्य के लिए किया जागरूक

कानपुर। रक्षा मंत्रालय की डीपीएसयू ग्लाइडर्स इंडिया लिमिटेड (जीआईएल) की इकाई आयुध पैराशूट निर्माणी में शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर समारोह हुआ। महिला स्वास्थ्य जागरूकता पर जोर दिया गया। इसके बाद पौधारोपण कर क्षेत्र में बच्चों को उपहार भी दिए। मुख्य अतिथि प्रयास ग्लाइडर्स वेलफेयर फाउंडेशन की कारपोरेट अध्यक्ष निधि तिवारी ने कहा कि आज के दौर में महिलायें हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका में है। उन्हें और व्यापक फलक पर अपनी पहचान बनानी है। विशिष्ट अतिथि वैशाली पाथेड़कर, सत्यप्रिया सुब्रमणियम, पीएमओ डा. ज्योति त्रिवेदी, शर्मी बनर्जी, नीति गुप्ता, सुनीता सिंह, कीर्ति शिखा सिन्हा मौजूद रहीं।

जिस मनुष्य को अपने मनुष्यत्व का मान है,
वह ईश्वर के सिवा किसी से नहीं डरता ..... महात्मा गांधी

निर्माणी विजिटर बुक

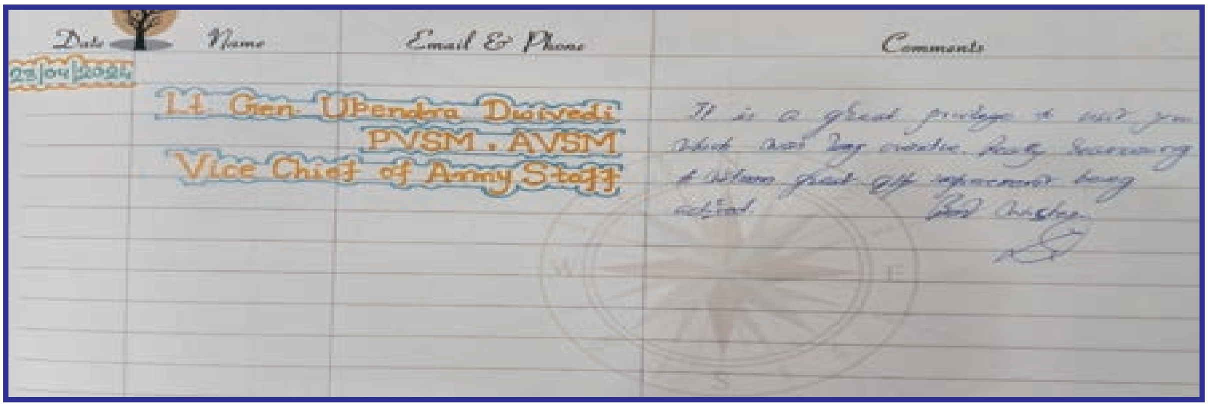

Date	Name	Email & Phone	Comments
23/04/2024	Lt. Gen. Upendra Dwivedi PVSM, AVSM Vice Chief of Army Staff		It is a great privilege to visit your [illegible] Best Wishes

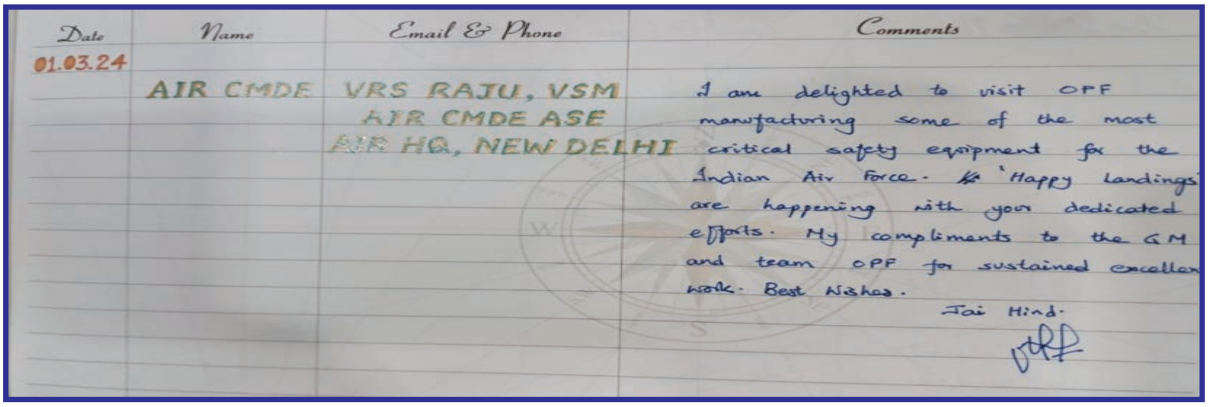

Date	Name	Email & Phone	Comments
01.03.24	AIR CMDE VRS RAJU, VSM AIR CMDE ASE AIR HQ, NEW DELHI		I am delighted to visit OPF manufacturing some of the most critical safety equipment for the Indian Air Force. The 'Happy landings' are happening with your dedicated efforts. My compliments to the GM and team OPF for sustained excellent work. Best Wishes. Jai Hind.

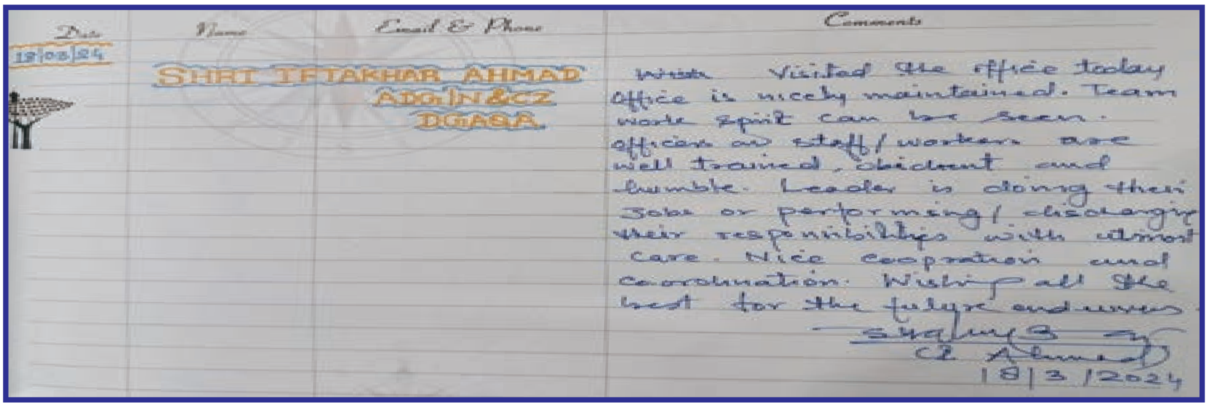

Date	Name	Email & Phone	Comments
18/03/24	SHRI IFTAKHAR AHMAD ADG/IN&CZ DGAQA		Visited the office today. Office is nicely maintained. Team work spirit can be seen. Officers and staff/workers are well trained, obedient and humble. Leader is doing their jobs or performing/discharging their responsibilities with utmost care. Nice cooperation and coordination. Wishing all the best for the future endeavours. Iftakhar Ahmad 18/3/2024

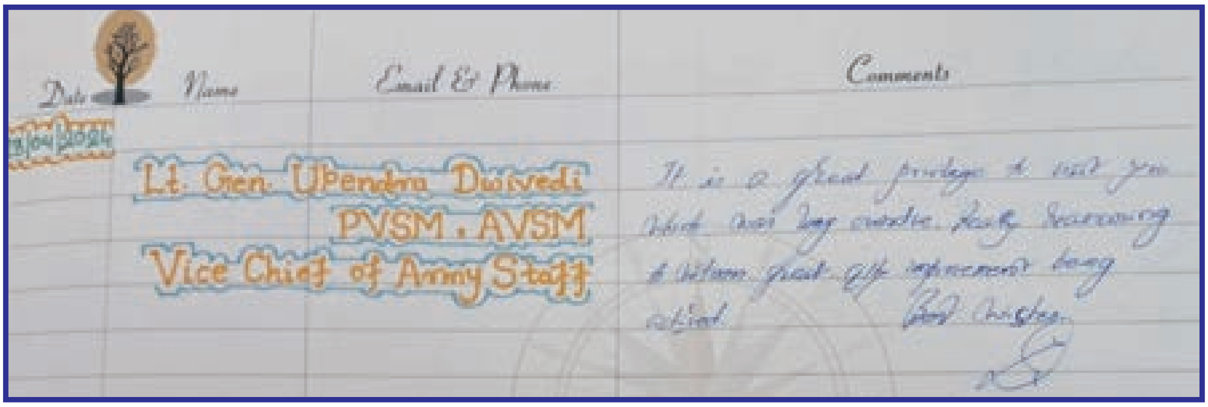

Date	Name	Email & Phone	Comments
[illegible]/04/2024	Lt. Gen. Upendra Dwivedi PVSM, AVSM Vice Chief of Army Staff		It is a great privilege to visit your [illegible] Best Wishes

राजभाषा चिंतन

आजादी के पूर्व हिंदी के प्रचार प्रसार में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की भूमिका

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में सबसे पहले एक संपर्क भाषा की आवश्यकता महसूस हुई जो सबको एक सूत्र में बाँध सके एवं राष्ट्रप्रेम की चेतना का विकास कर सके । यह सत्य है कि भाषागत विविधता के चलते भारत का स्वतंत्रता आंदोलन बिखरा हुआ था । इस लिए महात्मा गाँधी को सबसे पहले संपूर्ण राष्ट्र को एक दूसरे की बात समझने एवं आपसी संपर्क बढाने की आवश्यकता पड़ी । ऐसा नहीं कि वे देश के अन्य भाषाओं को महत्व नहीं देते थे । वे केवल हिंदी सीखने एवं सीखाने पर जोर देते थे । वे हिंदी को मात्र पूरे देश को एक सूत्र में बाँध कर रखने हेतु संपर्क भाषा के हिमायती थे । इसीलिए वे हिंदी को देश की सक्रिय संपर्क भाषा तथा राष्ट्र भाषा तथा राष्ट्र भा,के रूप में अपनाने का आह्वान करते थे । भारत की सबसे बड़ी समस्या है कि बिना किसी तर्क के लोग अंग्रेजी को इतना महत्व देने लगते हैं । इस सन्दर्भ में गाँधी जी कहा करते थे कि जब तक विभिन्न प्रदेशों में रहने वाले ज्यादातर भारतीय लोग किसी एक भारीतय भाषा नहीं बोलने लगते हैं तब तक वास्तविक रूप में भारत राष्ट्र नहीं बन सकता । यह आज के सन्दर्भ में भी समीचीन प्रतीत होता है कि विभिन्न प्रदेशों में रहने वाले भारतीयों में से अंग्रेजी बोलने वालों की संख्या काफी मिल जाती है किन्तु उनकी संख्या बहुत ही थोड़ी है और यह संख्या हमेशा ही थोड़ी ही रहेगी । इसका प्रमुख कारण यह है कि अंग्रेजी भाषा विदेशी होने के कारण भारतीयों के लिए कठिन है । गाँधी जी का मत था कि यह संभव ही नहीं है कि अंग्रेजी के जरिए भारत एक राज्य बन जाए । अतः आज के लगभग आठ दशक पूर्व ही गाँधी जी ने कह दिया था कि भारतीयों को एक भाषा पसंद करनी पड़ेगी । गुजराती बंगाली, तमिल आदि बोलने भारतीय हैं तो बहुत, फिर भी इनमें से किसी एक के सारे भारत में फैलने की संभावना बहुत कम है । गाँधी जी का मत था चूँकि फकीर और संन्यासी यही भाषा बोलते हैं, इसलिए इसका प्रसार हर जगह होता है । इसलिए हर एक विद्यालय में स्वभाषा के अतिरिक्त हिंदी का शिक्षण दिया जाना चाहिए । माता-पिता को भी चाहिए कि वे अपने बच्चों में बचपन से ही हिंदी भाषा बोलने एवं समझने की आदत डालें तभी भारत वास्तविक रूप में एक राष्ट्र बन सकेगा । महात्मा गाँधी वास्तव में हिंदी भाषी नहीं थे लेकिन फिर भी उनका विचार था कि हिंदी कि जो स्थिति है उसके लिहाज से हिंदी को भारत राष्ट्र की संपर्क भाषा बन बन जाना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा था । महात्मा गाँधी यह विश्वास को तोड़ना चाहते थे जिसमें वायसराय आशा करते थे कि अंग्रेजी प्रतिदिन इस देश में फैलेगी, भारत के परिवार के लोगों में फैलेगी और अंत में अंग्रेजी राष्ट्र भाषा, के ऊंचे पद पर आसीन होगी तब महात्मा गांधी राष्ट्रभाषा के पाँच सूत्री लक्षणों के लिए सक्रिय हो जाते थे । महात्मा गाँधी के व पाँच सूत्र इस प्रकार है:

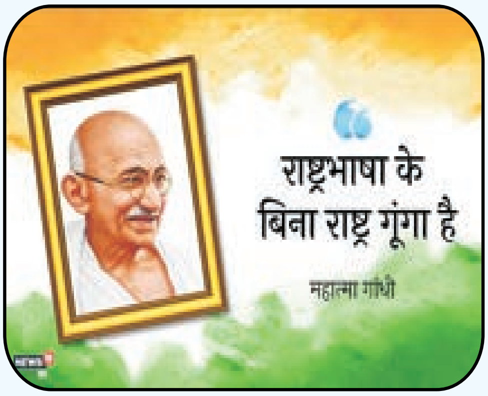

1. वह भाषा सरकारी नौकरी के लिए आसान होनी चाहिए ।
2. उस भाषा को द्वारा भारत की आपसी धार्मिक, आर्थिक, और राजनैतिक कामकाज होना चाहिए ।
3. उस भाषा को भारत के ज्यादातर लोग बोलते हों ।
4. यह भाषा राष्ट्र के लिए आसान होनी चाहिए ।
5. उस भाषा का विचार करते समय क्षणिक या अस्थायी स्थिति पर जोर न देना चाहिए ।

गाँधी जी इन लक्षणों पर विचार करते हुए बताना चाहते हैं कि यह बहुत दुखद है कि देश के पढ़े लिखे लोगों को लगता है कि अंग्रेजी के बिना हमारा कारोबार बंद हो जाएगा । अगर गहराई से देखे तो यह स्पष्ट हो जाता है कि अंग्रेजी राष्ट्रभाषा नहीं बन सकती और न ही उसका प्रयत्न किया जाना चाहिए । महात्मा गाँधी के उपरोक्त पाँच लक्षण यह संकेत करते हैं कि अंग्रेजी में इनमें से कोई लक्षण नहीं है और भारत वर्ष के सन्दर्भ में अगर कोई भाषा इन पाँचों लक्षणों को पूरा करता है तो वह हिंदी ही है ।

राजभाषा अनुभाग

(राजभाषा चिंतन संबंधी यह लेख अगले अंक में भी जारी रहेगा)

राजभाषा नियम

दिशा–निर्देश

वार्षिक कार्यक्रम 2024–25 के बिन्दु विशेष

दिनांक 18 जनवरी 1968 को संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित राजभाषा संकल्प में यह व्यक्त किया गया है कि " यह सभा संकल्प करती है कि हिंदी के प्रसार एवं विकास की गति को बढ़ाने हेतु तथा संघ के विभिन्न राजकीय प्रयोजनों के लिए इसके उत्तरोत्तर प्रयोग हेतु भारत सरकार द्वारा एक अधिक गहन एवं व्यापक कार्यक्रम तैयार किया जाएगा और उसे कार्यान्वित किया जाएगा और किए गए उपायों एवं की गई प्रगति की विस्तृत वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखी जाएगी और सभी राज्य सरकारों को भेजी जाएगी ।

उक्त संकल्प के अपबंधों के अनुसरण में राजभाषा विभाग द्वारा प्रतिवर्ष केंद्र सरकार के कार्यो द्वारा कार्यान्वयन के लिए राजभाषा हिंदी के प्रसार एवं अप्रगामी प्रयोग हेतु वार्षिक कार्यक्रम तैयार किया जाता है वर्ष 2024 25 का वार्षिक कार्यक्रम इसी क्रम में जारी किया जा रहा है हिंदी बोले जाने बोले जाने और लिखे जाने के आधार पर देश के राज्यों संघ, राज्यों क्षेत्र को तीन क्षेत्रों में चिन्हित किया जाता है इन तीनों क्षेत्र यथा का 'क', 'ख' एवं 'ग' राज्यो का विवरण निम्नानुसार है:

क्षेत्र	क्षेत्र मैं शामिल राज्यध्संघ राज्य क्षेत्र
'क'	बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्य तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और अंडमान वन निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य क्षेत्र
'ख'	गुजरात, महाराष्ट्र और पंजाब राज्य तथा चंडीगढ़ दमन व दीव और दादरा और नगर हवेली संघ राज्य क्षेत्र
'ग'	'क' और 'ख' क्षेत्र में शामिल नहीं किए गए अन्य राज्य या संघ राज्य क्षेत्र

सरकारी कार्यालय में हिंदी का प्रयोग उत्तरोत्तर बढ़ रहा है किंतु अभी भी काफी काम अंग्रेजी में हो रहा है राजभाषा नीति का उद्देश्य है कि सरकारी कामकाज में समानता हिंदी का आधिकाधिक प्रयोग हो यही भारतीय संविधान की मूल भावना के अनुरूप होगा कहने की आवश्यकता नहीं है कि जनसाधारण की भाषा में सरकारी कामकाज करने से विकास की गति तेज हो रही है और प्रशासन में पारदर्शिता आएगी ।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के कुशल तथा प्रेरणादायक नेतृत्व में राजभाषा विभाग ने निम्नलिखित ई–लर्निंग कार्यकलापों की शुरुआत की है:–

(क) राजभाषा विभाग के प्रशिक्षण संस्थान– केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान ने आवश्यकतानुसार इलेक्ट्रानिक प्लेटफार्मो (ई–प्रशिक्षण) के माध्यम से भी हिंदी भाषा/ हिंदी टंकण/हिंदी आशुलिपि में प्रशिक्षण देना प्रारंभ कर दिया है ।

(ख) राजभाषा विभाग के क्षेत्रीय कार्यक्रम कार्यालय ने आवश्यकता अनुसार डिजिटल प्लेटफार्म ई निरीक्षण के माध्यम से भी वर्चुअल निरीक्षण करना प्रारंभ कर दिया है ।

(ग) हिंदी कार्यशालाओं और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) की बैठकों का आयोजन सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी साधनों (ई– बैठक) के माध्यम से भी किया जा रहा है ।

(घ) केंद्र सरकार के विभिन्न संगठनों की ग्रे पत्रिकाओं के सहज तथा सुलभ पठन के लिए राजभाषा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट *www-rajbhasha-gov* पद पर ई पत्रिका पुस्तकालय प्लेटफार्म की शुरुआत की गई है।

राजभाषा अनुभाग

(यह विवरण आगामी लेख में भी जारी रहेगा ।)

महान विचार जब कार्य के रूप में परिणित हो जाते हैं तो महान कृतियां बन जाते है
..... हेजलिट

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) :
उत्पादन के क्षैत्र का एक नया टूल

संक्षेप में आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस (ए.आई.) वह तकनीक है जो कंप्यूटरों और मशीनों को मानवीय बुद्धिमत्ता और समस्या-समाधान क्षमताओं का अनुकरण करने में सक्षम बनाती है । कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence) कंप्यूटर विज्ञान का एक क्षेत्र है । यह मशीन को मानव बुद्धिमत्ता (human intelligence) का उपयोग करने और ऐसे कार्य करने में सक्षम बनाता है जिसके लिए मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होती है । कृत्रिम बुद्धिमता के कुल 03 घटक एवं 05 प्रमुख विशेषताएं हैं, जो निम्नवत हैं :

एआई के 03 घटक :

1. मशीन अधिगम (Machine Learning)
2. आभ्यंतरिक अधिगम (Deep Learning)
3. प्राकृतिक भाषा प्रक्रिया (Natural Language Process)

एआई के 05 विशेषताएं :

1. अधिगम (Learning) 2. रचनात्मकता (Creativity) 3. तार्किकता (Reasoning)
4. आत्म सुधार (Self Correction) 5. स्वचलन (Automation)

ओपीएफ कार्यप्रणाली के क्षेत्र में आर्टिफिसीयल इंटिलिजेंस का अनुप्रयोग :

1. स्वचलित पैराशूट रिलीज सिस्टम (Automated Release System) : स्वचलित संक्रीयण डिवाइस सेंसर (automatic activation devices sensors) एवं एआई एल्गोरिद्म का उपयोग करके पता लगाया जा सकता है कि उत्पादित पैराशूट के गुणवत्ता जैसे कच्चे माल का सही उपयोग हुआ है कि नही इत्यादि। चूंकि पैराशूट एक लाईफ सेविंग उत्पाद है इसलिए इस तकनीक का अनुप्रयोग करके आने वाले डेंजर से भी बचा जा सकता है ।
2. पैराशूट मार्गदर्शन स्टीयरिंग: विकसित देशों में एआई एवं मशीन लर्निंग का उपयोग करके इलेक्ट्रानिक पैराशूट प्रणाली का तकनीक विकास किया जा रहा है, जिससे पैराशूटों का रिजेस्कन न के बराबर हो गया है ।
3. पैराशूट डिप्लायमेंट आप्टीमाइजेशन: इस तकनीक के द्वारा पैराशूट विनिर्माण के समय ही यह तकनीकी आकड़ों को अपने एल्गोरिद्म द्वारा एक सेल्फ सेल्फ कोडिफाईड डेटा बना लेता है, जो हर एक स्तर से सुरक्षित होता है ।

आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस (AI) में मानव बुद्धि से आगे निकलने की सभी क्षमतायें हैं और यह किसी भी विशेष कार्य को बहुत सटीकता और कुशलता से कर सकता है । भारत सरकार भी AI के कार्यान्वयन पर निरंतर प्रयास कर रही है । वर्तमान में नीति आयोग के एनएसएआई (National Strategy For AI) में इसके योजना पर कार्य किया जा रहा है । इसमें कोई संदेह नहीं है कि AI में अपार क्षमताएँ हैं जो रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाने में मदद करती हैं और इस दिशा में हम आत्मनिर्भरता की ओर सक्रियता से बढ़ सकते हैं । हालाँकि, किसी भी चीज की अधिकता अच्छी नहीं होती है और मानव मस्तिष्क के बराबर कुछ भी नहीं हो सकता है। इसलिए, AI का अत्यधिक उपयोग नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि बहुत अधिक स्वचालन और मशीनों पर निर्भरता वर्तमान मानव जाति और आने वाली पीढ़ियों के लिए बहुत खतरनाक वातावरण पैदा कर सकती है ।

प्रफुल्ल पाण्डेय
एचआरडी अनुभाग

साहित्य में अच्छा लगना और बुरा लगना चरम बात है और विज्ञान में सत्य और मिथ्या का विचार ही अंतिम विचार है ...... रविन्द्र नाथ ठाकुर

सेवा निवृत्ति एवं भावभीनी विदाई (30 मार्च 2024)

नाम (सर्वश्री)	मंजूर अहमद सिद्दकी
पद/ट्रेड	टेलर/एमसीएम
टिकट सं	8360/एल
नाम (सर्वश्री)	प्रेम कुमार
पद/ट्रेड	टेलर/एमसीएम
टिकट सं	8069/एल

सेवा निवृत्ति एवं भावभीनी विदाई (30 अप्रैल 2024)

नाम (सर्वश्री)	राजेश कुमार अरोड़ा
पद/ट्रेड	लाईन मिस्त्री/एमसीएम
टिकट सं.	8701/एल
नाम (सर्वश्री)	शिव कुमार यादव
पद/ट्रेड	सुपर वाइजर
वैयक्तिक सं.	200445

मुख्य संरक्षक	श्री एम.सी. बालासुब्रमणियम, महाप्रबंधक	तकनीकी समीक्षा हेतु प्रकाशन बोर्ड के सदस्य	
संरक्षक	श्री एस बैनर्जी, संयुक्त महाप्रबंधक	श्री अभिषेक मिश्रा, टेलर/उ.कु. I/पी 5	सचिव
सह संरक्षक	श्री कोनन कु. टोप्पो, संयुक्त महप्रबंधक	श्रीमती वंदना वर्मा, टेलर/उ.कु. I/पी 3	सदस्य
मुख्य संपादक	श्री रुपेश कुमार, कार्यप्रबंधक	श्रीमती संगीता शाह, टेलर/उ.कु. I/पी 3	सदस्य
पत्रिका के निदेशक	श्री ओमेश सिन्हा, कार्यप्रबंधक	श्री आदित्य कुमार, टेलर/उ.कु. I/पी 4	सदस्य
प्रकाशन प्रबंधक	श्री अमर दीप कुमार, कार्यप्रबंधक	श्री प्रवीन मिश्रा, टेलर/उ.कु. I/पी 4	सदस्य
विषय–वस्तु प्रबंधक	श्री प्रियम सिंह, सहायक कार्यप्रबंधक	श्री तंजिदर सिंह, टेलर/उ.कु. I/पी 5	सदस्य
	श्री के.डी. मिश्रा, क. का प्रबंधक (एसजी)	श्री आशीष कुमार द्विवेदी, टेलर/उ.कु. I/पी 2	सदस्य
	श्री परिवेश गुप्ता, जेटीओ	श्री कामिल खान, टेलर/उ.कु. I/पी 6	सदस्य
कोषाध्यक्ष	श्री अमित श्रीवास्तव, क. का.प्रबंधक (एसजी)	श्री सुशील गौतम टेलर/उ.कु. I/पी 6	सदस्य
कॉलम सम्पादक	श्री ज्ञानेन्द्र पाण्डेय, परीक्षक	श्री अविनेश कु. दूबे टेलर/उ.कु. I/क्यूसी(एम)	सदस्य
ओपीएफ–ई–पत्रिका के आगामी अंको के प्रकाशनार्थ रचानाएं राजभाषा अनुभाग में सादर आमंत्रित हैं ।		श्री रंजन उपाध्याय, यूडीसी/एचआरडी	सदस्य
		कु. रक्षा देवी,एलडीसी/एफएंडए	सदस्य
टीम ओपीएफ द्वारा प्रकाशित प्रतिबंधित वितरण हेतु			

असफलता की उत्पत्ति तभी होता है,
जब आप प्रयास करना बंद कर देते हैं ..एल्बर्ट हब्बार्ड